

॥ॐ गुरु॥

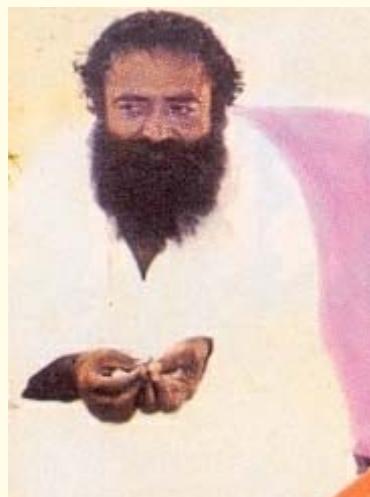
भजन - आकाशगंगा में जब तक

आकाशगंगा में जब तक सितारे रहे
मेरे सदगुरु तेरी जिंदगानी रहे, जिंदगानी रहे
गुरुदेवा ओ गुरुदेवा गुरुदेवा ओ गुरुदेवा
ज्ञान अपने गुरु से जो पाया उसको घर घर में जाकर लुटाया
पूजा मन से करे सेवा तन से करे अपने जीवन की हस्ती बनाते रहे
बनाते रहे गुरुदेवा ओ गुरुदेवा
भार भूमि का तुमने उठाया विश्वशांति का बिगुल बजाया
विश्वशांति का शंख बजाया
सबको समझो परिवार चाहे नर हो या नार
जो भी आया शरण में उठाते रहे
उठाते रहे गुरुदेवा ओ गुरुदेवा
छोड़ वैकुंठ को जग में वो आये अपनी प्रभुता और वैभव भुलाए
लीला ऐसी करे जैसे मानव लगे ईश्वर होके भी बापू कहाते रहे
कहाते रहे गुरुदेवा ओ गुरुदेवा
दीनदुर्खियों के तुम हो सहारे विश्व बगिया के तुम रखवारे
कहते सत्यवचन व्यर्थ हो ना जनम हर जनम गुरु तुमको पाते रहे
तुमको पाते रहे गुरुदेवा ओ गुरुदेवा
इनको गुरुवर कहो चाहे ईश्वर इनको नश्वर कहो या तो रघुवर
ब्रह्मज्ञानी वहीं अंतर्यामी वहीं सभी रूपों में भगवान आते रहे
आते रहे गुरुदेवा ओ गुरुदेवा
अपनी सूरत हृदय में बसा दो प्रीत करने की रीति सीखा दो
करके चरणों का ध्यान पाए भक्ति और ज्ञान
गुरुभक्ति में मन को मिटाते रहे
मिटाते रहे गुरुदेवा ओ गुरुदेवा
ज्योत गुरुवर से जिसने जलाई उसके जीवन में खुशिया ही छाई
दुख में रोए नहीं सुख में सोये नहीं
अपनी नईया किनारे लगाते रहे
लगाते रहे गुरुदेवा ओ गुरुदेवा



सत्ये
शिष्य
फ
लिए
तो
गुरु
वरन
माने
फलून

तुमने लाखों की बिगड़ी बनाई
ज्ञान-ज्योति हृदय में जगाई
है वो सबसे दयाला, बड़े हृदय विशाल
अपनी करुणा वो सबपे लुटाते रहे
लुटाते रहे साँई ओ मेरे साँई
गंगा जैसे निर्मल मेरे साँई
करते सबपे दया दृष्टि मेरे साँई
हरने भूमि का भार हुआ उनका अवतार
पार भक्तों की नैया लगाते रहे
लगाते रहे साँई ओ मेरे साँई
मेरे ईश्वर करु तुमसे विनंती
हर जनम में मिले मुझको भक्ति
कभी टूटे न तार रोज होवे दीदार
हर जनम में मुझे गुरु भक्ति मिले
गुरुभक्ति मिले साँई ओ मेरे साँई
आकाशगंगा में जब तक सितारे रहे
मेरे सदगुरु तेरी जिंदगानी रहे, जिंदगानी रहे
साँई ओ मेरे साँई



**जो मछुष्य
परमात्मा के छो
अक्षिरदाले नाम
हरि का
उच्चारण करते
हैं, वे उसके
उच्चारणमाज के
कुष्ठ हो जाते
हैं, इसके दांका
जहीं हैं।**